

उत्तराखण्ड में सांस्कृतिक वरिसत और विकास को बढ़ावा

चर्चा में क्यों?

उत्तराखण्ड के [मुख्यमंत्री](#) ने हाल ही में 'अहलिया स्मृतिमैराथन- एक वरिसत, एक संकल्प' तथा प्रथम गज घंटाकरण महोत्सव-2025 का उद्घाटन किया, जिसमें राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक वरिसत पर ज़ोर देते हुए इसे चल रही विकासात्मक पहलों से जोड़ा गया।

मुख्य बंदि

- **अहलिया स्मृतिमैराथन:**
 - यह मैराथन देहरादून में वरिसत थीम पर आधारित कार्यक्रम के तहत आयोजित की गई थी।
 - इस आयोजन का वषिय, **एक वरिसत-एक संकल्प**, का उद्देश्य उत्तराखण्ड में स्वास्थ्य, एकता और सांस्कृतिक गौरव के बारे में जन जागरूकता बढ़ाना है।
 - इस पहल का उद्देश्य प्रतभागियों के बीच स्वास्थ्य जागरूकता, सामाजिक सद्भाव और सांस्कृतिक गौरव को बढ़ावा देना था।
- **गज घंटाकरण महोत्सव-2025:**
 - यह महोत्सव टहिली ज़िले के गज घण्टाकरण मंदिर के परिसर को केंद्र बनाकर आयोजित किया गया, जसि उत्तराखण्ड का एक महत्त्वपूर्ण पौराणिक स्थल माना जाता है।
 - यह मंदिर पारंपरिक रूप से बद्रीनाथ धाम की यात्रा के बाद दूसरी परकिरमा स्थली के रूप में जाना जाता है।
 - मंदिर से हरदिवार से लेकर [हिमालयी परवतमालाओं](#) तक के वहिगम दृश्य दिखाई देते हैं, जसिसे यह स्थान आध्यात्मिक और पार्यावरणीय पर्यटन (eco-tourism) के लिये आदर्श स्थल बन जाता है।
- **सांस्कृतिक योगदान:**
 - इस महोत्सव की शुरुआत क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक और धार्मिक वरिसत को पुनर्जीवित करने और बढ़ावा देने के लिये की गई थी।
 - इसका उद्देश्य पारंपरिक गतिविधियों और समारोहों के माध्यम से सांस्कृतिक पर्यटन और सामुदायिक भागीदारी को बढ़ाना था।
 - इस तरह के आयोजन अमूर्त वरिसत को बनाए रखने और स्थानीय समुदायों में पहचान की भावना को बढ़ावा देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
- ये प्रयास 2047 तक वकिसति उत्तराखण्ड और भारत के व्यापक दृष्टिकोण से जुड़े हैं, जो प्रधानमंत्री के अमृतकाल वज़िन के अनुरूप हैं।
- सरकार गज में पॉलिटिकनिक संस्थान, हेलघाटी पंपिंग पेयजल योजना आदि सहित बुनियादी ढाँचे और सामाजिक विकास परियोजनाओं पर सक्रिय रूप से काम कर रही है।
- **एक जिला एक उत्पाद (ODOP)** जैसी पहलों के माध्यम से स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना, स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं के बीच आत्मनिर्भरता और कौशल विकास पर सरकार के लक्ष्य को दर्शाता है।

एक ज़िला एक उत्पाद (ODOP) योजना:

- ODOP पहल का उद्देश्य भारत के 761 ज़िलों में से प्रत्येक के एक वशिष्ट उत्पाद की पहचान कर उसे प्रोत्साहित करना है, ताकि संतुलित क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा दिया जा सके।
- अब तक कुल 1,102 उत्पादों का चयन किया जा चुका है, जनिमें स्थानीय वशिष्टताओं पर केंद्रित वस्तुएँ शामिल हैं, जैसे कि [भौगोलिक संकेत \(GI\) टैग](#) प्राप्त उत्पाद तथा [ज़िला नरियात केंद्र \(DEH\)](#) पहल के अंतर्गत चयनित वस्तुएँ।
- उत्तराखण्ड के GI टैग प्राप्त उत्पादों में शामिल हैं- लाल चावल, अल्मोडा की लखोरी मरिच, बेरीनाग चाय, रामनगर (नैनीताल) की लीची, रामगढ़ का आड़ू, [बासमती चावल](#) आदि।
- इन उत्पादों का चयन राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों द्वारा किया जाता है तथा यह प्रक्रिया [औद्योगिक संवर्द्धन और आंतरिक व्यापार](#)

[वशिग \(DPIIT\)](#) के समन्वय से पूरी की जाती है।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/promoting-cultural-heritage-and-development-in-uttarakhand>

